हिन्दुस्तान

Edition: 16, March 2015

ग्लू से चिपकाकर रोका गया गले से रक्त स्त्राव

नई दिल्ली। मैसिव हीमोपटाइसिस यानी भारी रक्त स्त्राव का इलाज बगैर सर्जरी के ग्लू (क्विक फिक्स) के जरिए किया गया। सरोज सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में यह प्रयोग किया गया है। बगैर सर्जरी के सफल इलाज किया गया।

इसमें ब्रोंकस (श्वसनी) से खून का भारी स्त्राव हो रहा था। ब्रोंकस फेफड़े तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करती है। रक्त स्त्राव होने पर इसमें बाधा पहुंचने पर मरीज की जान जा सकती है। किसी भी सर्जिकल इंटरवेशन के बिना एनेस्थीसिया देकर यह प्रयोग किया गया।

डॉक्टर राकेश के चावला ने बताया कि रोगी भीम सिंह को 17 फरवरी की रात को आपातकालीन वार्ड में लाया गया था। वह मैसिव हीमोपटाइसिस से पीड़ित था। 24 घंटे में मरीज का 100-600 मिलीलीटर से अधिक रक्त बह चुका था। अस्पताल के डॉक्टरों ने ब्रोंकोस्कोपी को सफलपूर्वक अंजाम दिया। यह दाहिने हिस्से के ब्रोन्कियल ट्री से आ रहा था। मैंने ब्रोंकोस्कोपी ग्लू स्थापित कर रक्तबहाव की जगह को सील कर दिया। **(का.सं.)**

(Saroj Super Speciality Hospital)